I-NEXT
19-09-2018

एफआरआई कैंपस में साइंटिस्ट और स्टूडेंट्स ने मनाया ओजोन-डे

क्लाइमेट चेंज पर हुआ चिंतन

- क्लाइमेट चेंज की समस्या का जल्द निदान तलाशने पर जोर
- स्टूडेंट्स ने किया नुक्कड़ नाटक और लघुई प्रदर्शनी

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

एफआरआई डायरेक्टर ने बताया ओजोन परत का महत्व.

एफआरआई कैंपस में ओजोन परत में लगातार ग्रीनहाउस गैसेज से पड़ रहे बुरे प्रभावों और जीनवशैली में मामूली बदलाव कर इसे बचाने के विषय पर चर्चा की गई

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (18 Sept): वन अनुसंधान संस्थान एफआरआई की ओर से मंगलवार को विश्व ओजोन दिवस मनाया गया. इस मौके पर पर्यावरण संतुलन बिगाड़ने वाले कारकों का पता लगा इनको रोकथाम के लिए तुरंत उपाय खोजने पर चर्चा की गई.

जल्द उपाय तलाशने पर जोर

कार्यक्रम में एक्सपर्ट्स ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में वैज्ञानिकों को ग्रीनहाउस गैसों की वृद्धि को रोकने के तुरंत उपाय खोजने होंगे. इस अवसर पर ओजोन परत के क्षय के दुष्प्रभावों पर वन अनुसंधान संस्थान के लोगों तथा आम जनता में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए फोटो एवं पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए. वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डा. अनिता ने लोगों को ओजोन गैस की स्थिति, जरूरत और इस पर पड़ रहे बुरे प्रभावों को कम करने के लिए किए जा रहे उपायों पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम में नीलू गैरा, एसडी शर्मा, उप महानिदेशक नीलिमा शाह सहित बड़ी संख्या में वैज्ञानिक और स्टूडेंट्स ने ओजोन परत को बचाने के लिए आपस में परिचर्चा भी की.

नुक्कड़ नाटक के जरिए मैसेज

इस कार्यक्रम में वन अनुसंधान संस्थान ने ही स्थित सम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने एक नुक्कड़ नाटक, प्रस्तुत किया. जिसमें यह बताया गया कि आज की विलासितापूर्ण जीनवशैली एवं आधुनिक उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से किस तरह ओजोन गैस की परत पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है. ओजोन पृथ्वी का सुरक्षा कवच है. नाटक के जरिए लोगों को यह भी मैसेज दिया गया कि ओजोन परत पर बुरे इंफेक्ट को कम करने के लिए लोगों को अपनी जीवन शैली में छोटे-छोटे बदलाव करने होंगे. जिससे ओजोन परत पर बढ़ता ग्रीन हाउस गैसेज का खतरा कम किया जा सकता है.

शाह टाईम्स
19.09.2018

वन अनुसंधान संस्थान में मनाया गया विश्व ओजोन दिवस

■ 21 वीं शताब्दी के अंत तक क्षय होने के कगार पर पहुंच जाएगी ओजोन परत: सरिता

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में मंगलवार को विश्व ओजोन दिवस मनाया, जिसमें विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शोध छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत में संस्थान निदेशक डॉ. सविता ने विश्व ओजोन दिवस पर संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने यूएनईपी-डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट पर जिक्र करते हुए कहा कि ओजोन परत का पुनरोत्थान हो रहा है। हालांकि उन्होंने ओजोन के भविष्य पर चिंता व्यक्त की। 21वीं शताब्दी के अंत तक यह परत क्षय होने के कगार पर पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि ओजोन पर कार्य कर रहे वैज्ञानिकों ने इससे संबंधित मुद्दे उठाकर इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है लेकिन जलवायु परिवर्तन के इस प्रभाव में वैज्ञानिकों को ग्रीन हाउस गैसों की वृद्धि को रोकने के तुरंत उपाय खोजने होंगे।

वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने छात्र की विलासितापूर्ण जीवनशैली तथा आधुनिक उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से ओजोन परत पर पड़ रहा बुरा प्रभाव तथा इसकी सुरक्षा हेतु अपनी जीवनशैली में कैसे बदलाव करें पर 'नुक्कड़ नाटक, प्रस्तुत किए। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के विभिन्न वक्ताओं ने ओजोन परत के क्षय होने के भयंकर परिणामों, ओजोन परत के क्षय होने के कारणों तथा ओजोन परत को क्षय होने से बचाने के उपाय को कार्यनीतियों के विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा कि एक भू क्षेत्र की विलासितापूर्ण जीवन से दूसरे क्षेत्र के लोगों के जीवन पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

इस अवसर पर ओजोन परत के क्षय के दुष्प्रभावों पर वन अनुसंधान संस्थान के लोगों तथा अन्य जनता में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए इस विषय पर कोटो व पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए। डा. नीलू गेरा व इसडो शर्मा, उप महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, डा0 एन0के0 उप्रेती- समूह समन्वयक,वा0अ0सं0, श्रीमती नीलिमा शाह, कुलसचिव, वा0अ0सं0, डा0 के0पी0 सिंह, प्रचार एवं जनसम्पर्क अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान के विभिन्न प्रभागों के प्रमुख, वा0अ0सं0 सम विश्वविद्यालय के डीन तथा कुलसचिव, चर, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् तथा वन अनुसंधान संस्थान के कर्मचारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अंत में वा0अ0सं0 सम विश्वविद्यालय के डीन डा0 एच0 एस0 रिनवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

उत्तराखण्ड केसरी
19.09.2018

ग्रीन हाउस गैसों की वृद्धि रोकने को उठाने होंगे कदम

देहरादून,18 सितंबर (स.ह.): वन अनुसंधान संस्थान में मंगलवार को विश्व ओजोन दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान निदेशक डॉ. सविता ने की। उन्होंने कहा कि ओजोन परत का पुनरोत्थान हो रहा है। ओजोन पर कार्य कर रहे वैज्ञानिकों ने इससे संबंधित मुद्दे उठाकर इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है। लेकिन, जलवायु परिवर्तन के इस समय वैज्ञानिकों को ग्रीन हाउस गैसों की वृद्धि को रोकने के तुरंत उपाय खोजने होंगे। वन अनुसंधान संस्थान विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने आज की विलासितापूर्ण जीवनशैली तथा आधुनिक उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से ओजोन परत पर पड़ रहे बुरे प्रभाव और इसकी सुरक्षा के लिए कैसे बदलाव करें पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

दैनिक जागरण
19.09.2018

सदी के अंत तक समाप्त हो सकती है ओजोन परत

देहरादून: वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) में ओजोन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिकों ने ओजोन परत की क्षति को रोकने का संकल्प लिया।मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में निदेशक डॉ. सविता ने कहा कि ग्रीन हाउस गैसों के प्रभाव से सूरज की पराबैंगनी किरणों से बचाने वाली ओजोन परत को लगातार क्षति पहुंच रही है। यदि यही स्थिति रही तो 21वीं सदी के अंत तक यह परत समाप्त होने के कगार पर पहुंच जाएगी। ऐसे में वैज्ञानिकों को ओजोन परत की क्षति को रोकने के ठोस उपाय खोजने होंगे। वहीं, एफआरआइ डीम्ड यूनिवर्सिटी के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से संदेश दिया कि विलासितापूर्ण जीवनशैली पर अंकुश लगाकर ओजोन परत की क्षति को कम किया जा सकता है। (जासं)

राष्ट्रीय सहारा
19.09.2018

ओजोंन परत क्षरण पर वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

देहरादून । वन अनुसंधान संस्थान में मंगलवार को विश्व ओजोन दिवस मनाया गया। इसमें संस्थान के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व एफआरआई विवि के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। संस्थान की निदेशक डा. सविता ने ओजोन दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। यूएनईपी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ओजोन परत का पुर्नरोत्थान हो रहा है। कहा कि वातावरण में कार्बन डाइआक्साइड व मीथैन गैसें बढ़ने से ओजोन की परत को नुकसान पहुंच रहा है। जिससे 21वीं शताब्दी के अंत तक यह परत क्षय होने के कगार पर पहुंच सकती है।उन्होंने कहा कि इस दिशा में कार्य कर रहे वैज्ञानिकों को गंभीरता से शोध कार्य करना चाहिए।

THE HIMACHAL TIMES
19-09-2018

FRI celebrates World Ozone Day

DEHRADUN, SEPT 18 (HTNS)

Forest Research Institute (FRI), Dehradun celebrated the World Ozone Day today by organizing various events with the involvement of Forest Research Institute Deemed University students and scholars.

The Program started with the brief introduction on World Ozone Day by Dr. Savita, IFS, Director FRI Dehradun. She referred UNEP- WMO report that the Ozone layer is on the path of recovery. However she expressed concern on the future of ozone which is likely to be again going in a depleting mode by the end of 21st century if climate change led by CO2, CH4, [illegible] which goes on [illegible] that Scientists working over Ozone have flagged the issues and concerns successfully but now it is the turn of climate change scientists to put a full stop on the growth of greenhouse gases in due course.

Students of Forest Research Institute Deemed University played a "nukkad natak" on impact of levis lifestyles and enhanced use of modern gadgets on depletion of Ozone Layer and how to change our lifestyle to protect the same. Speakers from ICFRE, delivered the talk on "Serious consequences upon depletion of Ozone Layer , "Causes contributing toward depletion of Ozone Layer", "Remedial strategies for preventing depletion of Ozone Layer". The speakers emphasized that the levis life of one hemisphere has exclusively been responsible for negative impact on the people of other hemisphere. On this occasion, a photo-poster on the subject was also organised by the FRI. Dehradun and general public was made aware of ill effects of depletion in Ozone layer. Dr. Neela Gera, S.D. Sharma, Deputy Director General of ICFRE; Dr. NK Upreti, GCR FRI; Neelima Saha, Registrar, FRI; Dr. K .P. Singh, PLO various Head of Divisions of FRI, Dean and Registrar FRIDU, employees from ICFRE & FRI were present on the occasion. At the end of the programme Dean, FRI Deemed to be University, Dr. H. S. Ginwar gave vote of thanks.

जनभारत मेल
19.09.2018

वन अनुसंधान संस्थान ने मनाया विश्व ओजोन दिवस

देहरादून, संवाददाता। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने 18 सितम्बर, 2018 को विश्व ओजोन दिवस मनाया, जिसमें विविध कार्यकलापों का आयोजन किया गया तथा वन अनुसंधान सस्थान सम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शोध छात्रों द्वारा भाग लिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान निदेशक डा0 सविता, भा0व0से0 के विश्व ओजोन दिवस पर संक्षिप्त परिचय द्वारा हुआ।

उन्होने यू0एन0ई0पी0-डब्ल्यू0 एम0ओ की रिपोर्ट पर जिक्र करते हुए कहा कि ओजोन परत का पुर्नरोत्थान हो रहा है। हालांकि उन्होने ओजोन के भविष्य पर चिंता व्यक्त की जैसा कि ब्व2ए ब्ध4 तथा छ2व् की निरंतर वृद्वि हो रही है जिससे 21वीं शताब्दी के अंत तक यह परत क्षय होने के कगार पर पहुंच जाएगी। उन्होने कहा कि ओजोन पर कार्य कर रहे वैज्ञानिकों ने इससे संबंधित मुद्दे उठाकर इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है लेकिन जलवायु परिवर्तन के इस समय में वैज्ञानिकों को ग्रीनहाउस गैसों की वृद्वि को रोकने के तुरंत उपाय खोजने होंगे।

वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने आज की विलासितापूर्ण जीवनशैली तथा आधुनिक उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से ओजोन परत पर पड रहा बुरा प्रभाव तथा इसकी सुरक्षा हेतु अपनी जीवनशैली में कैसे बदलाव करें पर 'नुक्कड नाटक, प्रस्तुत किए। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के विभिन्न वक्ताओं ने ओजोन परत के क्षय होने के भयंकर परिणामों, ओजोन परत के क्षय होने के कारणों तथा ओजोन परत को क्षय होने से बचाने के उपाय की कार्यनीतियों के विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा कि एक भू क्षेत्र की विलासितापूर्ण जीवन से दूसरे क्षेत्र के लोगों के जीवन पर भी बुरा प्रभाव पडता है। इस अवसर पर ओजोन परत के क्षय के दुष्प्रभावों पर वन अनुसंधान संस्थान के लोगों तथा आम जनता में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए इस विषय पर फोटों व पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए।

दून दर्पण
19.09.2018

वन अनुसंधान संस्थान ने मनाया विश्व ओजोन दिवस

देहरादून 18 सितम्बर(**दर्पण संवाददाता**)। वन अनुसंधान संस्थान ने विश्व ओजोन दिवस मनाया, जिसमें विविध कार्यकलापों का आयोजन किया गया तथा वन अनुसंधान सस्थान सम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शोध छात्रों द्वारा भाग लिया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान निदेशक डा0 सविता, भा0व0से0 के विश्व ओजोन दिवस पर संक्षिप्त परिचय द्वारा हुआ। उन्होंने यूएनईपी–डब्ल्यूएम0ओ की रिपोर्ट पर जिक्र व ते हुए कहा कि ओजोन परत क ुनरोत्थान हो रहा है। हालांकि उन्होने ओजोन के भविष्य पर चिंता व्यक्त की जैसा कि तथा निरंतर वृद्धि हो रही है जिससे 21वीं शताब्दी के अंत तक यह परत क्षय होने के कगार पर पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि ओजोन पर कार्य कर रहे वैज्ञानिकों ने इससे संबंधित मुद्दे उठाकर इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है लेकिन जलवायु परिवर्तन के इस समय में वैज्ञानिकों को ग्रीनहाउस गैसों की वृद्धि को रोकने के तुरंत उपाय खोजने होंगे।

वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने आज की विलासितापूर्ण जीवनशैली तथा आधुनिक उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से ओजोन परत पर पड रहा बुरा प्रभाव तथा इसकी सुरक्षा हेतु अपनी जीवनशैली में कैसे बदलाव करें पर 'नुक्कड नाटक, प्रस्तुत किए। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के विभिन्न वक्ताओं ने ओजोन परत के क्षय होने के भयंकर परिणामों, ओजोन परत के क्षय होने के कारणों तथा ओजोन परत को क्षय होने से बचाने के उपाय की कार्यनीतियों के विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा कि एक भू क्षेत्र की विलासितापूर्ण जीवन से दूसरे क्षेत्र के लोगों के जीवन पर भी बुरा प्रभाव पडता है।

इस अवसर पर ओजोन परत के क्षय के दुष्प्रभावों पर वन अनुसंधान संस्थान के लोगों तथा आम जनता में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए इस विषय पर फोटों व पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए। डा0 नीलू मेरा व एस डी शर्मा, उप महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, डा0 एन0के0 उप्रेती समूह समन्वयक, व0अ0सं0, नीलिमा शाह, कुलसचिव, व0अ0सं0, डा0 के0पी0 सिंह, प्रचार एवं जनसम्पर्क अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान के विभिन्न प्रभागों के प्रमुख, व0अ0सं0 सम विश्वविद्यालय के डीन तथा कुलसचिव, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् तथा वन अनुसंधान संस्थान के कर्मचारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अंत में व0अ0सं0 सम विश्वविद्यालय के डीन डा0 एच0 एस0 गिनवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

THE HAWK
19 September, 2018

'FRI Celebrates World Ozone Day'

Dehradun: Forest Research Institute (FRI), Dehradun celebrated the World Ozone Day on 18thSeptember 2018 by organizing various events with the involvement of Forest Research Institute Deemed University students and scholars.

The Program started with the brief introduction on World Ozone Day by Dr. Savita, IFS, Director FRI Dehradun. She referred UNEP- WMO report that the Ozone layer is on the path of recovery. However she expressed concerns on the future of ozone which is likely to be again going in a depleting mode by the end of 21stcentury if climate change (led by CO_2, CH_4, N_2O growth) goes unabated. She stated that Scientists working over Ozone have flagged the issues and concerns successfully but now it is the turn of climate change scientists to put a full stop on the growth of green-

house gases in due course. Students of Forest Research Institute Deemed University played a "nukkad natak" on impact of levis life styles and enhanced use of modern gadgets on depletion of Ozone Layer and how to change our life style to protect the same. Speakers from ICFRE, delivers the talk on the 1) "Serious consequences upon depletion of Ozone Layer 2) "Causes contributing toward depletion of Ozone Layer"- 3) "Remedial strategies for preventing depletion of Ozone Layer". The speakers emphasized that the levis life of one hemisphere has exclusively been responsible for negative impact on the people of other hemisphere. On this occasion, a photo-poster on the subject was also organised by the FRI Dehradun and general public was made aware of ill effects of depletion in Ozone layer. Dr. Neelu Gera, Sh. S.D. Sharma, Deputy Director General of ICFRE; Dr. NK Upreti, GCR FRI; Ms. Neelima Saha, Registrar, FRI; Dr. K .P. Singh, PLO Various Head of Divisions of FRI, Dean and Registrar FRIDU, employee from ICFRE & FRI were also attend the function. At the end of the programme Dean, FRI Deemed to be University Dr. H. S. Ginwal gave vote of thanks

Pixdun

19 सितम्बर, 2018

ओजोन परत के क्षय से दुष्प्रभावों पर चर्चा

September 18, 2018
देहरादून

वन अनुसंधान संस्थान ने विश्व ओजोन दिवस मनाया, जिसमें विविध कार्यकलापों का आयोजन किया गया तथा वन अनुसंधान सस्थान सम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शोध छात्रों द्वारा भाग लिया गया।कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान निदेशक डा सविता, भावसे के विश्व ओजोन दिवस पर संक्षिप्त परिचय द्वारा हुआ। उन्होने यूएनईपी-डब्ल्यू एम ओ की रिपोर्ट पर जिक्र करते हुए कहा कि ओजोन परत का पुर्नरोत्थान हो रहा है। हालांकि उन्होने ओजोन के भविष्य पर चिंता व्यक्त की जैसा कि सी ओ 2.सी एच 4 तथा एन 2ओ की निरंतर वृद्वि हो रही है जिससे 21वीं शताब्दी के अंत तक यह परत क्षय होने के कगार पर

पहुंच जाएगी। उन्होने कहा कि ओजोन पर कार्य कर रहे वैज्ञानिकों ने इससे संबंधित मुद्दे उठाकर इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है लेकिन जलवायु परिवर्तन के इस समय में वैज्ञानिकों को ग्रीनहाउस गैसों की वृद्वि को रोकने के तुरंत उपाय खोजने होंगे। वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने आज की विलासितापूर्ण जीवनशैली तथा आधुनिक उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से ओजोन परत पर पड रहा बुरा प्रभाव तथा इसकी सुरक्षा हेतु अपनी जीवनशैली में कैसे बदलाव करें पर 'नुक्कड नाटक, प्रस्तुत किए। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के विभिन्न वक्ताओं ने ओजोन परत के क्षय होने के भयंकर परिणामों, ओजोन परत के क्षय होने के कारणों तथा ओजोन परत को क्षय होने से बचाने के उपाय की कार्यनीतियों के विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा कि एक भू क्षेत्र की विलासितापूर्ण जीवन से दूसरे क्षेत्र के लोगों के जीवन पर भी बुरा प्रभाव पडता है।इस अवसर पर ओजोन परत के क्षय के दुष्प्रभावों पर वन अनुसंधान संस्थान के लोगों तथा आम जनता में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए इस विषय पर फोटों व पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए। डा नीलू गेरा व एस डी शर्मा, उप महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, डा एन के उप्रेती- समूह समन्वयक,व अ सं,नीलिमा शाह, कुलसचिव, व अ सं, डा के पी सिंह, प्रचार एवं जनसम्पर्क अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान के विभिन्न प्रभागों के प्रमुख, व अ सं सम विश्वविद्यालय के डीन तथा कुलसचिव, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् तथा वन अनुसंधान संस्थान के कर्मचारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अंत में व अ सं सम विश्वविद्यालय के डीन डा एच एस गिनवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

गढ. संवेदना
19 सितम्बर, 2018

वन अनुसंधान संस्थान ने मनाया विश्व ओजोन दिवस

September 18, 2018

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान देहरादून द्वारा विश्व ओजोन दिवस मनाया गया। जिसमें विविध कार्यकलापों का आयोजन किया गया, जिनमें कि वन अनुसंधान सस्थान सम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शोध छात्रों द्वारा भाग लिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान निदेशक डा0 संविता, भा0व0से0 के विश्व ओजोन दिवस पर संक्षिप्त परिचय द्वारा हुआ। उन्होने यू0एन0ई0पी0-डब्ल्यू0एम0ओ की रिपोर्ट पर जिक्र करते हुए कहा कि ओजोन परत का पुर्नरोत्थान हो रहा है। हालांकि उन्होने ओजोन के भविष्य पर चिंता व्यक्त की जैसा कि ब्व2ए ब्म्4 तथा छ2व् की निरंतर वृद्वि हो रही है जिससे 21वीं शताब्दी के अंत तक यह परत क्षय होने के कगार पर पहुंच जाएगी। उन्होने कहा कि ओजोन पर कार्य कर रहे वैज्ञानिकों ने इससे संबंधित मुद्दे उठाकर इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है लेकिन जलवायु परिवर्तन के इस समय में वैज्ञानिकों को ग्रीनहाउस गैसों की वृद्वि को रोकने के तुरंत उपाय खोजने होंगे। वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने आज की विलासितापूर्ण जीवनशैली तथा आधुनिक उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से ओजोन परत पर पड रहा बुरा प्रभाव तथा इसकी सुरक्षा हेतु अपनी जीवनशैली में कैसे बदलाव करें पर नुक्कड नाटक, प्रस्तुत किए। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के विभिन्न वक्ताओं ने ओजोन परत के क्षय होने के भयकर परिणामों, ओजोन परत के क्षय होने के कारणों तथा ओजोन परत को क्षय होने से बचाने के उपाय की कार्यनीतियों के विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा कि एक भू क्षेत्र की विलासितापूर्ण जीवन से दूसरे क्षेत्र के लोगों के जीवन पर भी बुरा प्रभाव पडता है। इस अवसर पर ओजोन परत के क्षय के दुष्प्रभावों पर वन अनुसंधान संस्थान के लोगों तथा आम जनता में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए इस विषय पर फोटो व पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए। डा0 नौलू मेरा व एस0डी0शर्मा, उप महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, डा0 एन0के0 उप्रेती- समूह समन्ववक,व0अ0से0, नीतिमा शाह, कुलसचिव, व0अ0से0, डा0 के0पी0 सिंह, प्रचार एवं जनसम्पर्क अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान के विभिन्न प्रभागों के प्रमुख, व0अ0से0 सम विश्वविद्यालय के डीन तथा कुलसचिव, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् तथा वन अनुसंधान संस्थान के कर्मचारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अंत में व0अ0से0 सम विश्वविद्यालय के डीन डा0 एच0 एस0 गिनवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।